



Parveen



Nidhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121730402



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

चतुर्दशमद का वर्ग मूषक है तथा Nidhi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।  
अष्टकूट मिलान के अनुसार चतुर्दशमद और Nidhi का मिलान ठीक नहीं है।

### मंगलीक दोष मिलान

चतुर्दशमद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।  
Nidhi मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nidhi की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

चतुर्दशमद तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।